

(119)

CEP 1512

न्यायालय रोजान्य मण्डल मध्य प्रदेश, च्छालिवर

2125-प्र 2002
प्र०३०

12002 पुनरीकाण

मुद्रा संख्या 294502 कांगड़ा
मुद्रा दिनांक 29 MAY 2002

29 MAY 2002

1- हृषीकर्ण सिंह

2- विजय कुमार सिंह

3- विनय सिंह

} पुत्राणा रत्नसिंह

निवासीगण ग्राम गहरी तहसील गुढ़ जिला रीवा
(प्र०३०) ----- आवैदकण्ठ

विक्षु

1- इन्द्रबहादुर सिंह तनय गौपा लसिंह

2- श्रीमती पुष्पा सिंह पत्नी इन्द्रबहादुर सिंह

3- सर्जय सिंह तनय सुखनिधान सिंह

4- अमला सिंह पत्नी रमेश सुखनिधान सिंह

निवासीगण ग्राम गहरी तहसील गुढ़ जिला रीवा
(प्र०३०) ----- अनावैदकण्ठ

अपर आयुक्त रीवा समाग च्छारा प्रबरणा ब्रम्मांक

27। 2001-2002 अग्नील में पारित आदेश दिनांक

24-5-2002 के विळळ पुनरीकाण अन्तर्गत धारा-50

प्र०३० पूरा राजस्व संहिता 1959

महोदय,

आवैदकण्ठ नियमित आधारों पर पुनरीकाण याचिका प्रस्तुत
करते हैं :-

(1) वह कि अपर आयुक्त महोदय का विवादित आदेश अवैध, पक्षान्तर
तथा विवादाधिकार शून्य होकर निरस्त किये जाने योग्य है :-

(2) वह कि तहसील न्यायालय के आदेश के विळळ अनावैदकण्ठ च्छारा
प्रस्तुत प्रथम अग्नील को समव्याधित होना मानकर निरस्त किया गया

--- 2

आवैदकण्ठ के हिस्से की मूल्य पर
"नालय की कोयेवा ही"

राजस्व मण्डल मोप्र० खालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 1255—दो / 02 जिला — रीवा

संभाल तथा
दिनांक

कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं अभिभावक आदि के
हस्ताक्षर

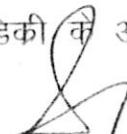
२५.७.१७

आवेदकगण की ओर से अधिवक्ता श्री एस० के० वाजपेयी उपरिथित। अनावेदक की ओर से अधिवक्ता श्री मुकेश भार्गव उपरिथित।

2— आवेदकगण के अधिवक्ता ने संहिता की धारा 32 के अन्तर्गत आवेदन पत्र के साथ सप्तम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग—2 रीवा के न्यायालय के बाद क्रमांक 76—ए/2009 की प्रतिलिपि प्रस्तुत करते हुये बताया कि आवेदकगण एवं अनावेदक के मध्य व्यवहार न्यायालय में समझौता हो गया है, एवं समझौते के अनुसार व्यवाहर न्यायाधीश ने दिनांक 18.10.2011 को व्यवहार बाद में हुये समझौते एवं न्यायालय के निर्णय के अनुसार राजस्व अभिलेखों में पक्षकारों की प्रविष्टियां की जाना है। अतः तहसीलदार न्यायालय को तदनुसार निर्देशित किया जाय।

3— अनावेदक के अधिवक्ता ने व्यवहार न्यायालय के निर्णय एवं डिकी का पालन किये जाने पर सहमति प्रदान की है।

4— उपरोक्त तर्कों एवं व्यवहार न्यायालय के निर्णय एवं डिकी के प्रकाश में तहसीलदार को निर्देशित किया जाता है, कि दोनों पक्षों को सुनवकर व्यवाहर न्यायालय के निर्णय एवं डिकी के अनुसार राजस्व अभिलेख में प्रविष्टि की कार्यवाही करें।



संभाल
सचिव

